RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 | मुंबई : गुरुवार 03 अगस्त 2023 | वर्ष 05 | अंक 100 | संपादक : फैसल शेख | पृष्ठ : 8 | कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

चेंबूर के आचार्य कॉलेज में बुर्का पहने मुस्लिम छात्रों को प्रवेश से रोक दिया गया

मुंबई : चेंबूर के आचार्य कॉलेज में पढ़ने वाले मुस्लिम छात्रों के एक समूह को कथित तौर पर बुर्का पहनने के कारण संस्थान में प्रवेश से वंचित कर दिया गया। छात्रों का आरोप है कि कॉलेज में प्रवेश के लिए उन्हें बुर्का उतारने का निर्देश दिया गया था।

चेंबूर में एनजी आचार्य और डीके मराठे कॉलेज के गेट के बाहर खड़े छात्रों के वीडियो बुधवार को सोशल मीडिया पर वायरल हो गए। वीडियो में कॉलेज यूनिफॉर्म पहने छात्रों को कॉलेज में प्रवेश करते देखा जा सकता है क्योंकि बुर्का पहने छात्रों को प्रवेश से रोक दिया गया था।एक छात्रा ने कहा कि वे कॉलेज में प्रवेश करते ही बुर्का हटाने को तैयार हैं और गेट के बाहर इसे हटाने से डर रही हैं। गेट पर सुरक्षा गार्ड ने कहा कि कॉलेज के प्रिंसिपल ने उसे निर्देश दिया कि वह बुर्का पहने छात्रों को प्रवेश करने से पहले कपड़ा उतारने के लिए कहें।

घाटकोपर में बनेगा अण्णा भाऊ साठे स्मारक

मुंबई : उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को राज्य विधानसभा में कहा कि घाटकोपर के चिराग नगर में लोकशाहीर अण्णा भाऊ साठे का स्मारक बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि तत्कालीन मुख्यमंत्री रहते हुए उन्होंने यह फैसला लिया था। उस वक्त अण्णा भाऊ साठे के घर के आसपास की झोपड़पट्टी को स्थानांतरित करते हुए 200 लोगों को म्हाडा के अपार्टमेंट में शिफ्ट करने की योजना बनाई गई थी। इसके लिए 170 करोड़ रुपए का प्रस्ताव किया गया था।

धारावी विकास परियोजना...
राज्य सरकार को लगभग 3 हजार करोड़ रुपए का नुकसान

मुंबई : धारावी के पुनर्विकास के लिए राज्य सरकार की ओर से पक्षपात किया गया है। सरकार ने जानबूझकर धारावी विकास परियोजना को अडानी समूह की झोली में डालने का काम किया है। इससे सरकार को बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ है, ऐसा आरोप दुबई आधारित सेकलिंक कंपनी ने लगाया है। कंपनी ने हाईकोर्ट में पेश दस्तावेजों में इस संदर्भ में जानकारी दी है। कंपनी ने स्पष्ट कहा है कि राज्य सरकार द्वारा अडानी प्रॉपर्टीज को दी जाने वाली रियायतें बहुत अधिक हैं, जिससे राज्य सरकार को लगभग ३ हजार करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है, जबकि म्हाडा को ८०० करोड़ रुपए का सीधे नुकसान हुआ है।

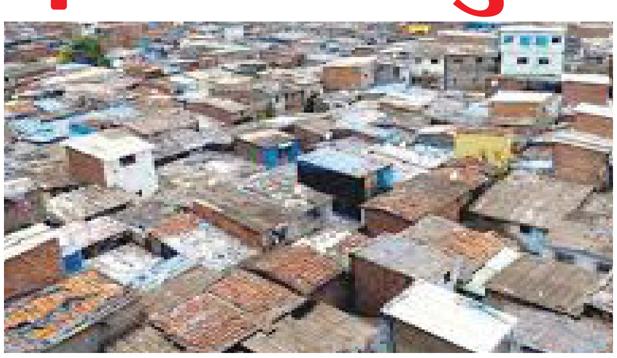

कंपनी की ओर से दावा किया गया है कि सितंबर २०२२ में जब राज्य ने इस परियोजना के लिए बोलियां आमंत्रित की थीं, तब विकासक को धारावी निवासियों के पुनर्वास भवनों के पहले सेट के निर्माण को सक्षम करने के लिए धारावी में दादर के छोर पर ४७ एकड़ खाली जमीन की पेशकश की। दरअसल, राज्य सरकार ने मार्च २०१९ में म्हाडा के खजाने से रेलवे भूमि विकास प्राधिकरण (आरएलडीए) को ८०० करोड़ रुपए का भुगतान किया था, तब जाकर यह भूखंड सरकार को मिला।

इस भूमि की कीमत बाजार में लगभग ५ हजार करोड़ रुपए आंकी जा रही है।

गौरतलब हो कि एशिया की सबसे बड़ी झोपड़पट्टी धारावी को विकसित करने के लिए वर्ष २०१८ में सऊदी अरब की सेकलिंक कंपनी ने ७,२०० करोड़ का टेंडर भरा था। हालांकि, बाद में उस टेंडर को रद्द कर दिया गया और फिर अब उसके पांच साल बाद अडानी ग्रुप के ५ हजार ७० करोड़ रुपए के टेंडर को मंजूरी दे दी गई है। अडानी के इस टेंडर में धारावी क्षेत्र में रेलवे की जमीन भी शामिल कर दी गई है। म्हाडा ने इस जगह के लिए रेलवे को ८०० करोड़ रुपए का भुगतान किया। इन सभी मामलों में अरबों-खरबों का घोटाला हुआ है। यह आरोप लगातार सरकार पर लग रहे हैं।

कांग्रेस मुखपत्र के खिलाफ करेंगे कार्रवाई- फडणवीस
महापुरुषों का अपमान कतई बर्दाश्त नहीं

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को कहा कि राष्ट्रीय महापुरुषों का अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और उन्होंने दिवंगत हिंदुत्व विचारक वी डी सावरकर का 'अपमान' करने के लिए कांग्रेस के मुखपत्र के खिलाफ कार्रवाई का एलान किया। वहीं, कांग्रेस विधायकों ने भी दक्षिणपंथी कार्यकर्ता संभाजी भिडे पर कार्रवाई की मांग की है। पार्टी ने उन पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के खिलाफ विवादास्पद टिप्पणी करने का आरोप लगाया है। विधानसभा में फडणवीस ने कहा कि भिडे के खिलाफ अमरावती में मामला दर्ज किया गया है और पुलिस उनकी आवाज के नमूने लेगी। अमरावती पुलिस ने संभाजी भिडे के खिलाफ मामला दर्ज किया है। गृह मंत्रालय का जिम्मा संभालने वाले फडणवीस ने कहा कि राष्ट्रीय प्रतीकों का

अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

पुलिस ने बताया कि भिडे के खिलाफ पिछले सप्ताह अपने भाषण के दौरान महात्मा गांधी की वंशावली के बारे में कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के लिए प्राथमिकी दर्ज की गई है। भिडे श्री शिव प्रतिष्ठान हिंदुस्तान संगठन के संस्थापक हैं। उनको अभी गिरफ्तार नहीं किया गया है। उन्होंने कहा, 'भिडे ने अपने संगठन के एक कार्यकर्ता को किताब 'द कुरान एंड द फकीर' का विवादास्पद हिस्सा पढ़ने को कहा। उस बैठक की कोई रिकॉर्डिंग उपलब्ध नहीं है, इसलिए पुलिस (भिडे के) आवाज के नमूने लेगी।'

संपादकीय / लेख

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

दुस्साहस की पराकाष्ठा

हरियाणा के नूंह में हिंदू संगठनों की ओर से प्रति वर्ष निकाली जाने वाली जलाभिषेक यात्रा में मुस्लिम समुदाय की उपद्रवी भीड़ ने जैसा भीषण हमला किया और गोलीबारी के साथ बड़े पैमाने पर आगजनी एवं लूटपाट की, वह दुस्साहस की पराकाष्ठा है। जिस तरीके से इस यात्रा पर हमला किया गया, उससे यह साफ है कि ऐसा सुनियोजित साजिश और पूरी तैयारी के साथ किया गया। स्थिति कितनी भयावह हो गई थी, यह इससे समझा जा सकता है कि सैकड़ों श्रद्धालु एक मंदिर परिसर में घंटों फंसे रहे। इनमें महिलाएं और बच्चे भी थे। उन्हें निकालने और बचाने के लिए सुरक्षा बलों की तीन कंपनियों को एयरड्राप करना पड़ा। स्पष्ट है कि हिंसक भीड़ ने इस इलाके को एक तरह से युद्ध क्षेत्र में तब्दील कर दिया था। हिंसक भीड़ कितनी दुस्साहसी थी, इसका पता इससे चलता है कि पुलिस को भी निशाना बनाया। इसके चलते होमगार्ड के दो जवानों सहित कुछ लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी। कई पुलिस अधिकारी एवं सिपाही घायल भी हो गए। इनमें कुछ की हालत गंभीर है। अराजक तत्वों ने एक थाने को भी निशाना बनाया और उसके अंदर-बाहर खड़े दर्जनों वाहन जला दिए। चूंकि हिंसा की व्यापक तैयारी की गई थी, इसलिए जल्द ही अन्य इलाकों में भी उपद्रव शुरू कर दिया गया। नतीजा यह हुआ कि जहां नूंह में कर्फ्यू लगाना पड़ा, वहीं अन्य क्षेत्रों में पुलिस की तैनाती बढ़ानी पड़ी। इस पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए कि यात्रा तय मार्ग से निकल रही थी और प्रशासन से उसकी अनुमति भी ली गई थी। यह मानने के अच्छे-भले कारण हैं कि पुलिस और प्रशासन इस यात्रा की सुरक्षा के लिए अपेक्षित चौकसी नहीं बरत सका। खुफिया एजेंसियों की चूक भी नजर आ रही है। उसे इसका आभास होना चाहिए था कि इस यात्रा को निशाना बनाया जा सकता है, क्योंकि ऐसी अफवाह थी कि संदिग्ध गो तस्करों की हत्या में आरोपित एक फरार शख्स भी इस यात्रा में शामिल हो सकता है। उसके शामिल न होने के बाद भी इस यात्रा पर जिस तरह भीषण हमला किया गया, उससे यही पता चलता है कि उपद्रवी तत्व उत्पात मचाने के लिए किसी बहाने की तलाश में थे।

हिंदुओं की जलाभिषेक यात्रा पर हमले की इस भयावह घटना ने उन घटनाओं की याद दिला दी, जिनमें पिछले कुछ समय में देश के अनेक हिस्सों और यहां तक कि देश की राजधानी में ऐसी ही यात्राओं को निशाना बनाया गया था। यदि इन घटनाओं में शामिल तत्वों को समय रहते सही सबक सिखाया गया होता तो शायद नूंह में जो कुछ हुआ, उससे बचा जा सकता था। यह शुभ संकेत नहीं कि अब कोई भी पर्व और त्योहार ऐसे नहीं, जिनमें किसी न किसी बहाने हिंसा न होती हो। हिंसा का यह सिलसिला कानून के शासन को चुनौती तो है ही, देश में सद्भाव के वातावरण को प्रभावित करने वाला भी है।

+91 99877 75650
editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

नवी मुंबई में स्पा में सेक्स रैकेट का भंडाफोड़, मालिक और मैनेजर गिरफ्तार

नवी मुंबई: नवी मुंबई पुलिस की एंटी 'मन ट्रैफिकिंग यूनिट (एएचटीयू) और क्राइम ब्रांच ने पिछले हफ्ते वाशी के रघुलीला मॉल में पर्ल स्पा पर छापा मारा और तीन महिलाओं को बचाया, जिन्हें वेश्यावृत्ति में मजबूर किया गया था। पुलिस ने स्पा के मालिक और मैनेजर को भी गिरफ्तार कर लिया है. पुलिस ने बताया कि मसाज पार्लर के बैनर तले देह व्यापार का धंधा चलाया जा रहा था।

गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने शनिवार शाम को एक डमी ग्राहक को -4000 के साथ भेजा। अधिकारी को

महिलाओं को दिखाया गया और यौन सुख की पेशकश की गई। स्पा के मैनेजर ने अधिकारी से पैसे भी लिए. डमी ग्राहक के रूप में भेजे गए अधिकारी से संकेत मिलने के बाद एएचटीयू और अपराध शाखा के पुलिस अधिकारी स्पा में दाखिल हुए। छापेमारी के दौरान पुलिस को स्पा के अंदर तीन महिलाएं छोटी ड्रेस और आपत्तिजनक सामान में मिलीं। मालिक और प्रबंधक को गिरफ्तार कर लिया गया और उनकी पहचान चेंबूर निवासी स्पा के मालिक 40 वर्षीय रजनी किशोर फकीर और प्रबंधक बिनी रोनी आर, वाशी के कोपरी गांव के निवासी और कर्नाटक के मूल निवासी के रूप में की गई। पुलिस के मुताबिक, स्पा मालिक प्रत्येक ग्राहक से -4000 लेता था और महिलाओं को महज -1000 के लिए वेश्यावृत्ति में धकेलता था। उन्हें आईपीसी की धारा 370 और 34 और अनैतिक तस्करी (रोकथाम) अधिनियम, 1956 (आईटीपीए) की धारा 3, 4 और 5 के तहत गिरफ्तार किया गया था।

पुणे में मंच पर 'भतीजे' ने चाचा शरद से नहीं मिलाया हाथ?

अजित पवार ने दी सफाई, कहा- डर के कारण मैं...

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज पुणे के दौरे पर थे. प्रधानमंत्री मोदी को मंगलवार (1 अगस्त) को 'लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार' से सम्मानित किया गया. पुरस्कार समारोह में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के साथ उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस, उपमुख्यमंत्री अजित पवार और एनसीपी अध्यक्ष शरद पवार शामिल हुए.

अजित पवार ने क्यों नहीं

एक मंच पर दिखे अजित पवार और शरद पवार

लोकसत्ता के अनुसार, पार्टी विभाजन के बाद अजित पवार और शरद पवार पहली बार किसी सार्वजनिक कार्यक्रम में एक मंच पर दिखे. दोनों नेता करीब 75 मिनट तक कार्यक्रम में शामिल हुए. इस मौके पर अजित पवार को छोड़कर सभी नेताओं ने हाथ मिलाया और शरद पवार से बातचीत की. हालांकि, अजित पवार ने एक भी नजर नहीं डाली. इसके अलावा, पुरस्कार समारोह समाप्त होने के बाद, अजित पवार चुपचाप शरद पवार के पीछे चले गए.

डिप्टी सीएम अजित पवार ने दिया जवाब

मंच पर हाथ न मिलाने की घटना के बारे में पूछे जाने पर अजित पवार ने कहा, 'मैं शरद पवार साहब का सम्मान करता हूं, इसलिए पीछे हट गया. हालांकि हम अपने बड़ों का सम्मान करते हैं, लेकिन डर के मारे पीछे हट जाते हैं. इसलिए मैं चला गया. मैं पीछे हट गया क्योंकि मैं उनका सम्मान करता हूं.

मिलाया हाथ ?

पत्रकार ने अजित पवार से सवाल पूछा, मंच पर हुए घटनाक्रम के बाद राजनीतिक गलियारों में तरह-तरह की दलीलें दी जा रही हैं. इस बीच आप गुपचुप तरीके से शरद पवार के पीछे क्यों चले गए? इसका जवाब खुद उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने दिया है. अजित पवार ने जवाब दिया कि वह शरद पवार का सम्मान करते हैं, इसलिए डर के कारण मैं वहां से चला गया. वह पुणे में मीडिया से बात कर रहे थे.

ठाणे में आवासीय सोसायटी की चारदीवारी का एक हिस्सा ढहा... कोई घायल नहीं

ठाणे : महाराष्ट्र के ठाणे शहर में बुधवार सुबह एक आवासीय सोसायटी की चारदीवारी का एक हिस्सा ढह गया। ठाणे महानगरपालिका के आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख यासीन तडवी ने बताया कि पंचपखाड़ी इलाके में स्थित आवासीय सोसायटी में हुई इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ है। उन्होंने बताया कि मंगलवार देर रात करीब एक बजे नौ साल पहले बनायी चारदीवारी का एक हिस्सा ढह गया। चारदीवारी के बाकी के हिस्सों की हालत भी जर्जर है। अधिकारी ने बताया कि सूचना मिलने के बाद स्थानीय दमकलकर्मियों और आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ का दल घटनास्थल पर पहुंचा और मलबा हटाने का काम किया। उन्होंने बताया कि क्षतिग्रस्त दीवार के आसपास के क्षेत्र की घेराबंदी कर दी गयी है।

40 फीसदी कमीशन वाली भाजपा सरकार ने ही कर्ज का पहाड़ खड़ा कर दिया - नाना पटोले

मुंबई : कर्नाटक में कांग्रेस को सत्ता में आए अभी सिर्फ दो महीने हुए हैं। इससे पहले कर्नाटक में भाजपा की सरकार थी। महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष नाना पटोले ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि कर्नाटक में ४० फीसदी कमीशन वाली भाजपा सरकार ने ही कर्ज का पहाड़ खड़ा कर दिया है। उन्होंने आगे कहा कि पिछले ९ साल में १०० लाख करोड़ रुपए का कर्ज हो गया है। मोदी से पहले ६७ साल में देश की सभी सरकारों ने सिर्फ ५५ लाख करोड़ रुपए का कर्ज लिया था, यानी मोदी ने ९ साल में तीन गुना कर्ज का पहाड़ खड़ा कर दिया है।इतना बड़ा कर्ज लेने के बावजूद देश में गरीबों की संख्या कम नहीं हुई बल्कि बढ़ी है। नई नौकरियां पैदा नहीं हुईं हैं। महंगाई तेजी से बढ़ रही है। ९ साल में गरीब और गरीब हो गए, जबकि मुट्ठीभर लोग अरबपति बन गए। मोदी सरकार में केवल मुट्ठीभर 'मित्रों' को फायदा हो रहा है और गरीबों का खून चूसा जा रहा है।' प्रधानमंत्री को पता होना चाहिए था कि महाराष्ट्र में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार पर भी कर्ज का बड़ा पहाड़ खड़ा हो गया है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लोकमान्य तिलक पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

PM मोदी से भी पहले NCP के इस दिग्गज नेता को मिल चुका है 'लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार', क्यों खास है ये अवार्ड?

मुंबई : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को स्वतंत्रता सेनानी बाल गंगाधर तिलक की 103वीं पुण्य तिथि पर पुणे में लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त किया. पीएम मोदी ने आभार व्यक्त करते हुए कहा, 'यह मेरे लिए एक यादगार पल है.' कार्यक्रम के दौरान उन्होंने शरद पवार के साथ मंच साझा किया और एनसीपी प्रमुख के साथ खुलकर बातचीत भी की.

क्या है लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार?

लोकमान्य तिलक नेशनल अवार्ड को भारतीय स्वतंत्रता कार्यकर्ता बाल गंगाधर तिलक की विरासत का सम्मान करने के लिए प्रदान किया जाता है. यह पुरस्कार 1983 में तिलक स्मारक मंदिर ट्रस्ट द्वारा गठित किया गया था. यह उन लोगों को दिया जाता है जिन्होंने राष्ट्र की प्रगति और विकास के लिए काम किया

है और जिनके योगदान को केवल उल्लेखनीय और असाधारण के रूप में देखा जा सकता है. यह पुरस्कार हर साल 1 अगस्त को प्रदान किया जाता है, जो बाल गंगाधर तिलक, जिन्हें लोकमान्य तिलक के नाम से भी जाना जाता है, की पुण्य तिथि है.

पीएम मोदी 41वें प्राप्तकर्ता

ट्रस्ट का कहना है कि पीएम मोदी को इस पुरस्कार के 41वें प्राप्तकर्ता के रूप में चुना गया है, जिसमें उनके असाधारण नेतृत्व और नागरिकों के बीच देशभक्ति की भावना को बढ़ावा देने के उनके प्रयासों की मान्यता में एक स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र शामिल है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मंगलवार को लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया. वह इस पुरस्कार के 41वें प्राप्तकर्ता हैं.

NCP के संस्थापक शरद पवार को लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार

शरद पवार पूर्व केंद्रीय कृषि मंत्री हैं, और उन्होंने 1999 में ठउढ की स्थापना भी की थी. वह 1980 में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री बने और चार कार्यकाल तक कार्यरत रहे. कृषि मंत्री के रूप में उनके कार्यों के लिए उन्हें 2016 में लोकमान्य तिलक पुरस्कार से सम्मानित किया गया था. ये पुरस्कार इंदिरा गांधी, अटल बिहारी वाजपेई, डॉ. मनमोहन सिंह और प्रणब मुखर्जी (पूर्व राष्ट्रपति) जैसे दिग्गज नेताओं को भी दिया जा चुका है.

गणेशोत्सव पंडाल निर्माण के लिए मंडलों को शुल्क का भुगतान करना होगा

ठाणे : महाराष्ट्र का पवित्र गणेशोत्सव आनेवाला है। ठाणे महानगर पालिका ने पंडाल के निर्माण के लिए तैयार किया है। मनपा के अनुसार पंडाल अर्थात मंडप के निर्माण की अनुमति प्राप्त करने के लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों प्रकार की सेवाएं प्रदान की जाएगी। लेकिन, पंडाल के निर्माण के लिए मंडलों को आवश्यक शुल्क का भुगतान करना होगा। हालांकि, वैश्विक कोरोना महामारी के चलते मनपा प्रशासन की तरफ से पिछले दो वर्षों से मंडप निर्माण शुल्क नहीं लिया गया था।

बता दें कि मनपा के अनुसार गणेशोत्सव मंडलों को मंडप की अनुमति लेने के लिए प्रभाग समिति के चक्कर न लगाने पड़े, इसके लिए ठाणे मनपा प्रशासन एक पोर्टल लॉन्च करने जा रहा है।

अस्पताल में सामग्रियों की खरीददारी में करीब ५०० करोड़ रुपए के घोटाले का आरोप...

मुंबई : गढ़चिरौली जिला सिविल अस्पताल में सामग्रियों की खरीददारी में करीब ५०० करोड़ रुपए के घोटाले का आरोप लगाया गया है। अस्पताल के लिए आवश्यक सामग्री और उपकरण तीन गुना अधिक कीमत पर खरीदे गए। इस हेराफेरी का पैसा तत्कालीन पालकमंत्री रहे शिंदे को भी दिया जा रहा था। उक्त घोटाले की जांच कराने की मांग स्थानीय लोगों ने की है।

जिला शल्यचिकित्सक डॉ. अनिल रुडे और दवा निमार्ता देशमुख मिलकर यह घोटाला कर रहे हैं। इन दोनों पर मुख्यमंत्री शिंदे के ओएसडी राहुल गेडे का आशीर्वाद है। शिंदे के पालक मंत्री रहते हुए भी इस अस्पताल के लिए सामग्री खरीद में अनियमितता हुई है। डॉ. रुडे और देशमुख जिला अस्पताल के लिए हर साल १०० से २०० करोड़ रुपए की निधि मंजूर कराते हैं। इस तरह इन दोनों ने साल २०१२ से २०२२ के दौरान ५०० से १००० करोड़ रुपए तक खर्च किए हैं। यह खर्च जिला योजना निधि और अन्य आदिवासी अनुदान से आया है। इस अनियमितता से इन दोनों ने ५० से १०० करोड़ रुपए की बेनामी संपत्ति जुटाई है। फिलहाल, इस घोटाले की जांच ईडी और सीबीआई से कराकर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई किए जाने की मांग की गई है।

सामग्रियों की खरीद के लिए ई-टेंडर प्रक्रिया चलाई जाती है। यह प्रक्रिया केवल दिखावा है। देशमुख पहले से ही सब कुछ सेट कर लेता है। खरीददारी केवल निश्चित किए गए आपूर्तिकर्ताओं से की जाती है। इसमें से एक आपूर्तिकर्ता कंपनी देशमुख के चाचा अक्षय गुल्हाने की है। इस कंपनी से ५० से १०० करोड़ रुपए की खरीदारी की गई है। देशमुख सारा काला धन नकद में लेता है। इसका हिस्सा शिंदे और राजे अब्रीशराव अत्राम को दिया जा रहा था। यह आरोप लगाया जा रहा हैं कि शिंदे और अत्राम सभी खरीद व्यवहार में हस्तक्षेप करते थे। देशमुख पिछले १२ वर्षों से एक ही जिले में काम कर रहा है। यह भी दावा किया गया है कि अगर देशमुख कार्यालय में नहीं आता है तो भी उनका वेतन जारी किया जाता है। कोरोना काल में भी घटिया स्तर के सामान और उपकरण खरीदे गए थे। यह सभी सामान बेकार पड़े हुए हैं, ऐसा आरोप भी लगाया गया है।

पवार ने शेयर किया पीएम मोदी के साथ मंच,

फायर हुए ओवैसी, बोले- ये कैसा पाखंड

पुणे : राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के प्रमुख शरद पवार ने मंगलवार को पुणे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मंच साझा किया. लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार समारोह में दोनों नेता एकसाथ दिखे. शरद पवार ने पीएम मोदी के साथ ऐसे समय पर मंच साझा किया है जब 2024 लोकसभा चुनाव में बीजेपी को सत्ता से हटाने के लिए देश के प्रमुख विपक्षी दल एकसाथ आए हैं. पीएम के साथ दिखने पर पवार निशाने पर हैं. अक्टक्ट के प्रमुख और हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने ट्वीट कर पवार पर हमला बोला और कहा कि ये कैसा पाखंड है.

ओवैसी ने लिखा, लोकसभा में एनसीपी और अन्य विपक्षी दल मणिपुर पर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं और शरद पवार पुणे में खुशी-खुशी पीएम मोदी के साथ साथ मंच साझा कर रहे हैं. यह क्या पाखंड है? वहीं, बीजेपी सदन में खुशी-खुशी बिना चर्चा के बिल पास करा रही है. बता दें

कि लोकमान्य तिलक की विरासत का सम्मान करने के लिए साल 1983 में तिलक स्मारक मंदिर ट्रस्ट ने इस पुरस्कार की शुरूआ की थी. इस बार ये अवॉर्ड पीएम मोदी को मिला है.

ओवैसी ही नहीं शिवसेना-उद्धव बालासाहेब ठाकरे (यूबीटी) भी पवार पर निशाना साध चुकी है. पार्टी ने कहा कि पवार इस कार्यक्रम में शामिल ना होकर उन लोगों की शंकाओं को दूर कर सकते थे, जिन्हें उनका इस समारोह में शामिल होना पसंद नहीं आया. पार्टी ने कहा कि देश तानाशाही के खिलाफ लड़ रहा और इस मकसद के लिए 26 विपक्षी दलों ने इंडिया नाम से गठबंधन बनाया है.

मुंबई के बांद्रा-वर्ली सी लिंक से कूदने वाल व्यक्ति का शव हुआ बरामद!

मुंबई : प्रदेश राजधानी मुंबई में बांद्रा-वर्ली सी लिंक से समुद्र में कूदने वाले एक व्यक्ति का शव भारतीय तटरक्षक बल ने दादर चौपाटी से बरामद कर लिया है। जानकारी के मुताबिक, मृत व्यक्ति की पहचान खार इलाके के व्यापारी टीकम मखीजा के रूप में हुई है, उसकी उम्र लगभग 57 साल बताई जा रही है। अऊफ़के अंतर्गत मामला दर्ज कर लिया गया है और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। 31 जुलाई को मुंबई के बांद्रा वर्ली सी लिंक से उक्त व्यक्ति ने समुद्र में छलांग लगा दी थी। भारतीय नौसेना और तटरक्षक हेलीकॉप्टरों को तलाशी अभियान के लिए भी लगाया गया था। अब व्यक्ति का शव बरामद कर लिया गया है। बता दें, व्यक्ति ने केबल- स्टे ब्रिज पर बीते सोमवार समुद्र में छलांग लगा दी थी। शव नौसेना और भारतीय तटरक्षक बल की तलाश के बाद मंगलवार को अरब सागर से बरामद किया गया।

मुंबई, उपनगरों और ठाणे में खुलेंगी वर्टिकल यूनिवर्सिटी...

मुंबई। मुंबई, उपनगरों और ठाणे में न्यूयॉर्क, वाशिंगटन और तेल अबीब शहरों की तरह स्व-वित्त पोषित वर्टिकल यूनिवर्सिटी खुलने का मार्ग प्रशस्त हो गया है। सरकार ने मंगलवार को इस संबंध में शासनादेश (जीआर) किया गया। मुंबई, उपनगरों और ठाणे में जगह की कमी को देखते हुए वर्टिकल यूनिवर्सिटी खोलने को लेकर लंबे समय से विचार चल रहा था। अब 15 हजार वर्ग फीट की स्वतंत्र इमारत में वर्टिकल यूनिवर्सिटी खोली जा सकेगी। वर्टिकल यूनिवर्सिटी की संकल्पना को लागू करने वाला महाराष्ट्र देश का पहला राज्य है।

पहले 10 एकड़ जमीन की थी दरकार

यूनिवर्सिटी खोलने के लिए पहले के मानदंडों के अनुसार मुंबई, ठाणे में 10 एकड़ जमीन होना अनिवार्य था। मुंबई, ठाणे में इतनी जमीन मिलना बेहद कठिन है, ऐसे में वर्टिकल यूनिवर्सिटी की संकल्पना को लागू किया गया। शासनादेश के अनुसार वर्टिकल यूनिवर्सिटी कैंपस में कोई भी व्यावसायिक गतिविधि या इमारत के अन्य किसी भी हिस्से का उपयोग व्यावसायिक गतिविधियों के लिए नहीं किया जा सकेगा। वर्टिकल यूनिवर्सिटी कैंपस में छात्रों की कक्षाएं व अन्य सुविधाओं के लिए भारतीय तकनीकी परिषद, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग व अन्य संबंधित संस्थाओं की गाइडलाइन का पालन करना अनिवार्य होगा। विश्वविद्यालय स्थापित करने के लिए आवश्यक जमीन का मालिकाना हक या 30 वर्ष की लीज पर होना अनिवार्य होगा। कैंपस में छात्र छात्राओं के लिए हॉस्टल की सुविधा देना आवश्यक होगा। मुंबई विकास नियंत्रण नियमावली के अनुसार शिक्षा के प्रायोजन की इमारत के विकास में 40 प्रतिशत जगत स्पोर्ट्स के लिए रखना अनिवार्य होगा।

सरकार ने जारी किया शासनादेश

लंबे समय से जारी थी कवायद

राज्य में स्व-वित्त पोषित यूनिवर्सिटी खोलने को लेकर पूर्व मुख्य सचिव अरुण बोंगिरवार (अ१४ल्ल इङ्खल्लॅ१६१) की अध्यक्षता में एक दो सदस्यीय समिति गठित की गई थी। इस समिति ने मुंबई शहर में स्व-वित्त पोषित विश्वविद्यालय स्थापित करने के लिए न्यूयॉर्क, वाशिंगटन और तेल अबीब की तर्ज पर वर्टिकल यूनिवर्सिटी खोलने की अनुमति देने की सिफारिश की थी। बोंगिरवार समिति की सिफारिशों को 19 जनवरी 2019 को हुई कैबिनेट बैठक में मंजूरी प्रदान की गई। बाद में अरुण बोंगिरवार की सिफारिशों का संपूर्ण अध्ययन के लिए 27 फरवरी 2020 को पूर्व मुख्य सचिव जयंत बांठिया की अध्यक्षता में समिति बनाई गई। इस समिति की सिफारिशों पर सुझाव व संशोधन आमंत्रित किए गए थे, तभी से शासन निर्णय जारी करने की बात विचाराधीन थी।

शरद पवार की राजनीतिक भूमिका पर किसे संदेह?

PM से मिले NCP अध्यक्ष तो कांग्रेस ने दे दी ये

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तिलक स्मारक समिति की ओर से दिए जाने वाले लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया. राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष शरद पवार की उपस्थिति में पुणे में आयोजित एक कार्यक्रम में केवल आमंत्रित लोगों की उपस्थिति में पीएम मोदी को यह पुरस्कार प्रदान किया गया. इस कार्यक्रम में शरद पवार के शामिल होने से उनकी राजनीतिक भूमिका पर संदेह जताया जा रहा है. कांग्रेस और शिवसेना के ठाकरे समूह के नेताओं के साथ-साथ कई राजनीतिक विश्लेषकों ने कहा है कि शरद पवार की कार्रवाई लोगों के बीच भ्रम पैदा कर रही है.

एनसीपी की सहयोगी कांग्रेस ने दी प्रतिक्रिया

इस पर कई सालों तक एनसीपी की सहयोगी रही कांग्रेस की ओर से बड़ी प्रतिक्रिया आई है. पूर्व

मुख्यमंत्री और महाराष्ट्र कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक चव्हाण ने शरद पवार को सलाह दी है. अशोक चव्हाण ने कहा है कि शरद पवार को अपनी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए और लोगों के बीच भ्रम दूर करना चाहिए.

अशोक चव्हाण ने दिया बड़ा बयान

अशोक चव्हाण ने कहा, मुझे नहीं लगता कि ऐसे कार्यक्रम में हिस्सा लेना गलत है. यह एक निजी संस्था द्वारा लिया गया कार्यक्रम था.

मुंबई में वेतन के लिए BEST के बस डाइवर हड़ताल पर,

विक्रोली, मुलुंड और घाटकोपर पर लोग परेशान...

मुंबई : महाराष्ट्र से मिली बड़ी खबर के अनुसार, यहां वेतन में बढ़ोतरी की मांग को लेकर विक्रोली, मुलुंड और घाटकोपर बस डिपो में वेट लीज पर बस चालक आज से हड़ताल पर चले गए हैं। जिससे आमजन को आज अपने गंतव्य में जाने में परेशानी हो रही है। मामले पर बृहन्मुंबई इलेक्ट्रिक सप्लाई एंड ट्रांसपोर्ट ने जानकारी देते हुए कहा कि, मुंबई में आज इएरळबस चालकों ने वेतन मुद्दे को लेकर हड़ताल की है, इसी के चलते विक्रोली, मुलुंड और घाटकोपर बस डिपो के चालक आज उपस्थित नहीं है।

जानकारी दें कि, बीते 19 जुलाई को बकाया वेतन की मांग को लेकर नासिक सिटी लिंक कैरियर्स के बस चालक हड़ताल पर चले गए थे। वहीं तब 2540 बस यात्राएं रद्द होने से 30 लाख की आय का नुकसान हुआ था। वहीं इस इस हड़ताल के चलते तब संबंधित ठेकेदार को सिटी लिंक प्रशासन की ओर से नोटिस जारी किया गया था और 15 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया गया था।

सुंदर बाग रोड का निर्माण कार्य पिछले ६ महीनों से...

मुंबई : मुंबई शहर की सड़कों में एक भी गड्ढे न होने का दावा करनेवाली शिंदे सरकार के दावे खोखले साबित होते जा रहे हैं। आलम यह है कि कुर्ला-पश्चिम के कमानी सुंदर बाग में फिनिक्स मॉल के पीछे सुंदर बाग रोड का निर्माण कार्य पिछले ६ महीनों से चल रहा था। हैरान करनेवाली बात यह है कि मानसून के पहले गुजराती बिल्डिंग और दूसरी तरफ शिव मंदिर तक के निर्माण कार्य को बीच में ही छोड़ दिया गया है। सिर्फ बीच में बची सड़क को पूरा न करने के पीछे स्थानीय

विधायक और नगरसेवक के बीच चल रही रंजिश बताई जा रही है। सड़क का मैनहोल खुला है, जिसमें ढक्कन भी नहीं लगा है। थोड़ी बारिश होने पर ही सड़क पर पानी भर जाता है। इतना ही नहीं आस-पास की दुकानों तथा गुजराती बिल्डिंग में भी पानी भर जाता है। ऐसे में जरा सोचिए, भारी बरसात में यहां का क्या दृश्य होगा?

बता दें कि गटर का मैनहोल खुला होने की वजह से कई बार इसमें स्कूल जाते हुए बच्चे और नागरिक गिर चुके हैं। इस बाबत कई बार शिकायतें भी की गई हैं, लेकिन प्रशासन के कानों में जूं तक नहीं रेंग रही है। छात्रों के अभिभावकों में हर वक्त किसी अनहोनी होने का डर बना रहता है।

राहगीरों से लूटपाट करने वाले 3 आरोपी गिरफ्तार

वसई : एमबीवीवी पुलिस आयुक्तालय अंतर्गत क्राइम ब्रांच युनिट 2 वसई की टीम ने ऐसे गिरोह को पकड़ा है जो रात में चाकू दिखाकर मारपीट कर जबरन चोरी करने वाले लुटेरों को पकड़ा है। इनकी गिरफ्तारी से 5 अपराधों का खुलासा हुआ है। तथा 2 लाख से अधिक का माल जप्त किया है।पुलिस ने बताया कि शबीर अहमद सिद्दिकी (40) ने शिकायत किया था की वह मालजीपाडा,वसई पूर्व में अपने घर पर सो रहे थे। इसी बीच 4 अज्ञात व्यक्ति उनकी दुकान का दरवाजा खोलकर घर में घुस गये और शबीर को चाकू दिखाकर धमकी देत हुए नगदी और तकिए के नीचे रखे मोबाइल फोन तथा नगदी लेकर फरार हो गए। इस मामले में शिकायतकर्ता की शिकायत पर वालीव पुलिस ने अज्ञात लुटेरों पर कलम 392,34 के तहत केस दर्ज किया था। जिंसके बाद क्राइम ब्रांच युनिट 2 की टीम ने जांच के दौरान प्राप्त सूचना एवं तकनीकी विश्लेषण के माध्यम से जाल बिछाकर 2 आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ किया तो आरोपी ने बताया कि सातीवली गावदेवी मंदिर और काठियावाड़ी ढाबा, तुंगरफाटा स्थित अंधेरे में खड़े होकर अकेले पैदल यात्रा कर रहे लोगों को चाकु दिखाकर मार पीट करके पैसे, मोबाइल फोन छीन लेते थे। यह पता चला है कि आचोले और वालिव पुलिस स्टेशनों के क्षेत्र में 4 अपराध किए हैं। पुलिस ने गुप्त सूचना एवं मोबाइल फोन के तकनीकी विश्लेषण के आधार पर जाल बिछाकर पुलिस ने आरोपी जिग्नेश पोपट चित्ते को गुजरात राज्य के बलसाड से हिरासत में लिया। पूछताछ किया तो जांच से पता चला कि जबरन चोरी करने के 5 मामले का खुलासा करके उनके पास से 2,01,000 रुपए कीमत के 15 मोबाईल फोन जप्त किया गया है।

लापता होने के आधार पर सिविल डेथ घोषित नहीं कर सकते

बॉम्बे हाई कोर्ट का आदेश, जानिए पूरा मामला

मुंबई: बॉम्बे हाई कोर्ट ने सात साल से अधिक समय से लापता पति की सिविल डेथ की घोषणा की मांग करनेवाली पत्नी की अपील को खारिज कर दिया है। कई वर्षों के इंतजार के बाद जब पति की कोई खोज-खबर नहीं मिली तो पत्नी ने पहले मुंबई की सिटी सिविल कोर्ट में पति को मृत घोषित करने की गुहार लगाई, वहां से दावा खारिज होने के बाद हाई कोर्ट का भी दरवाजा खटखटाया, लेकिन उसे वहां से भी निराश होना पड़ा। सिविल कोर्ट ने 31 अक्टूबर 2018 को महिला के पति को सिविल डेथ घोषित करने की दावे को खारिज कर दिया था। इसके बाद महिला हाई कोर्ट पहुंची। याचिका पर सुनवाई के बाद जस्टिस पी. के. चव्हाण ने कहा कि उन्हें सिविल कोर्ट के फैसले में हस्तक्षेप करने की कोई वजह नजर नहीं आ रही है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि पत्नी चाहे तो उत्तराधिकार प्रमाण पत्र के लिए आवेदन कर सकती है।

उत्तराधिकार प्रमाण पत्र के लिए करे आवेदन

जस्टिस चव्हाण ने अपने फैसले में स्पष्ट किया कि किसी ने महिला की कानूनी हैसियत व उसके संपत्ति से जुड़े अधिकार पर सवाल नहीं उठाया है, ऐसे में यदि उसे अपने लापता पति की संपत्ति से जुड़े रेवेन्यू रेकॉर्ड में बदलाव कर खुद का नाम दर्ज करवाना है, तो वह बॉम्बे रेगुलेशन ऐक्ट के प्रावधानों के तहत उत्तराधिकार प्रमाणपत्र के लिए आवेदन कर सकती है। किसी व्यक्ति को तभी मृत घोषित किया जा सकता है, जब उसको लेकर न्यायालय, न्यायाधिकरण एवं अथॉरिटी के सामने किसी मामले की सुनवाई के दौरान उसके अस्तित्व पर सवाल उठाया जाए। इस केस में हमें ऐसा कुछ नहीं दिखा है। मौजूदा अपील आधारहीन है। पत्नी ने सबूत के तौर पर कोई बयान या अन्य दस्तावेज भी नहीं पेश किए हैं।

पुलिस भी विफल रही

पत्नी के मुताबिक, 29 अप्रैल 1997 को उसका विवाह कमल सिंह (परिवर्तित नाम) से हुआ था। उन्हें शराब की लत थी। 11 जनवरी 2004 को वह अचानक गायब हो गए। 2006 तक उनका इंतजार किया गया। इस बीच, उसके पति के माता-पिता की मौत हो गई, फिर भी वह नहीं लौटे। 18 मॉर्च 2006 में पति की गुमशुदगी की शिकायत तिलक नगर पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई गई। 19 मई 2015 को पुलिस ने स्पष्ट किया कि काफी प्रयासों के बावजूद उसके पति के जिंदा अथवा मृत होने की जानकारी नहीं मिली।

क्या है सिविल डेथ

सामान्य भाषा में सिविल डेथ का अर्थ किसी व्यक्ति को कानूनी रूप से मृत घोषित करने और उस व्यक्ति के समस्त अधिकार खत्म होने से होता है। इंडियन एविडेंस ऐक्ट की धारा 107 व 108 में सिविल डेथ को लेकर उल्लेख किया गया है।

लॉकअप में उतरवा दिए टीचर के कपड़े,

हाई कोर्ट ने फिर पुलिस को सिखाया कानून

मुंबई: बॉम्बे हाई कोर्ट ने टीचर को बिना कपड़ों के लॉकअप में बंद रखने को लेकर पुलिस को फटकार लगाई है। कोर्ट ने कहा कि क्या किसी की इज्जत पुलिस के लिए मायने नहीं रखती है। म्यूजिक टीचर पर स्टूडेंट को अश्लील वीडियो दिखाने का आरोप लगा था, जिसको लेकर पुलिस ने टीचर को उठाकर लॉकअप में बंद कर दिया था। शिक्षक की पत्नी ने अवैध हिरासत से पति की तत्काल रिहाई के लिए बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर की थी। इस मामले में कोर्ट ने पुलिस उपायुक्त अकबर पठान को सीसीटीवी की जांच कर रिपोर्ट सौंपने को कहा है।

एफआईआर में हुआ खेल

बीते जून महीने में छात्रा की शिकायत पर मलाड पुलिस स्टेशन में एक जीरो एफआईआर दर्ज की गई थी, जिसमें क्षेत्राधिकार की परवाह नहीं की गई। संबंधित स्टेशन में स्थानांतरित की गई एफआईआर दर्ज में बताया गया कि शिक्षक ने छात्रा को अश्लील वीडियो दिखाए थे। 7 जुलाई को एफआईआर को ताड़देव थाने में ट्रांसफर कर दिया गया। इसके बाद शिक्षक पर आईपीसी की धारा 354 ए (यौन उत्पीड़न) और 509 (शब्द, इशारा या किसी महिला की गरिमा का अपमान करने का इरादा) के तहत मामला दर्ज किया गया।

गिरफ्तारी पर सवाल

म्यूजिक टीचर की गिरफ्तारी को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। 17 जुलाई को जब टीचर को पता चला कि उनकी गिरफ्तारी होने वाली है। इसके बाद उनके वकील ने जमानत की पेशकश की। इसके बावजूद टीचर को रात साढ़े 9 बजे हिरासत में ले लिया गया। वकील ने अगली सुबह कोर्ट को दिए हलफनामे में बताया कि प्रियंका कदम एक प्रोबेशन पुलिस अधिकारी हैं, जिन्होंने अनजाने में टीचर की गिरफ्तारी कर ली। दोपहर ढाई बजे कोर्ट को यह जानकारी दी गई कि टीचर को करीब डेढ़ बजे छोड़ दिया गया था। कोर्ट की ओर से कहा गया कि हलफनामे का मतलब हिरासत को सही ठहराने जैसा है।

'यह गर्व की बात है कि...', पुणे दौरे पर आए पीएम मोदी की सीएम एकनाथ शिंदे ने की तारीफ

महाराष्ट्र: महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मोदी की तारीफ करते हुए कहा कि यह गर्व की बात है कि दुनिया भर के लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक महत्वपूर्ण नेता के रूप में देखते हैं. पुणे में नरेंद्र मोदी को लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार (लोकमान्य तिलक पुरस्कार 2023) प्रदान किया गया है. इसी समारोह में सीएम एकनाथ शिंदे ने मोदी के काम का ब्यौरा पढ़ा और उनकी जमकर तारीफ की.

क्या बोले सीएम एकनाथ शिंदे?

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा, यह पुरस्कार पहले भी कई लोगों को दिया जा चुका है. यह आज तक समाज में अच्छा काम करने वालों को दिया जाता रहा है. शरद पवार को भी यह पुरस्कार दिया गया है. इसलिए हम उन्हें बधाई देते हैं और तिलक स्मारक ट्रस्ट को धन्यवाद देते हैं.

शिंदे ने की पीएम मोदी की तारीफ

एकनाथ शिंदे ने आगे कहा, पीएम मोदी ने देश का नेतृत्व संभाला है और 'सबका साथ और सबका विकास' का नारा दिया है. यह पुरस्कार उनके काम की स्वीकृति है. दुनिया में मोदी के नाम का सम्मान है. कोई ऑटोग्राफ लेता है, तस्वीरें लेता है और जब संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति उन्हें विश्व स्तर पर शक्तिशाली कहते हैं. उन्होंने मोदी की तारीफ करते हुए कहा कि उनका सीना गर्व से चौड़ा हो गया है. उन्होंने भारत को आत्मनिर्भर बनाने का नारा देकर कई लोगों को आत्मनिर्भर बनने में मदद की. 'सही सड़क आने के इंतजार में दिन बीत जाते हैं. लोकमान्य तिलक ने कहा था, लेकिन हम भूल जाते हैं कि सड़कें इंतजार करने के लिए नहीं बल्कि चलने के लिए होती हैं. इसलिए पीएम मोदी ने उसी शिक्षा को आत्मसात किया और उसे क्रियान्वित करने का काम किया. पीएम मोदी आज पुणे में कई कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे.

जीएसटी चोरी पर सरकार का एक्शन, अब पान मसाला कंपनियों को नहीं मिलेगा ऑटोमेटिक आईजीएसटी रिफंड

नई दिल्ली, एजेंसी। पान मसाला, तंबाकू और इस तरह के अन्य उत्पादों के निर्यात पर ऑटोमेटिक रूट के जरिए मिलने वाला आईजीएसटी रिफंड पर एक अक्टूबर से रोक लग जाएगी। ये कदम वित्त मंत्रालय की ओर से उठाया गया है। वित्त मंत्रालय की ओर से जारी किए गए नोटिस में कहा गया है कि निर्यातकों को इन सभी उत्पादों पर टैक्स छूट क्लेम करने के लिए टैक्स ऑफिसर्स के पास जाना होगा, जिसके बाद उनको टैक्स रिफंड मिल जाएगा। नोटिस के मुताबिक, ये बदलाव एक अक्टूबर से लागू हो जाएगा। सरकार की ओर से ये कदम इस सेक्टर में टैक्स चोरी को रोकने के लिए उठाया गया है। कई बार देखा जाता है कि कुछ निर्यातक अधिक आईजीएसटी रिफंड पाने के लिए अपने निर्यात की अधिक वैल्यू दिखाते हैं। रिफंड की मैनुअल चेकिंग से फायदा मिलेगा और अधिकारी आसानी से पता कर सकेंगे कि माल की वैल्यू निर्यातक की ओर से सही दिखाई गई है या नहीं।

पान मसाला, अनिर्मित तंबाकू, हुक्का, गुटखा, पाइप और सिगरेट के लिए धूम्रपान मिश्रण और मेंथा तेल आदि पर ऑटोमेटिक आईजीएसटी रिफंड लेने से रोक लगाई गई है। इन सभी उत्पादों पर 28 प्रतिशत जीएसटी और सेस लगता है। इसके साथ ही ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है कि आईजीएसटी रिफंड रोकने से सरकार की आय कुछ समय के लिए बढ़ सकती है, क्योंकि रिफंड किया जाने वाला अमाउंट काफी समय तक सरकार के पास रहेगा। भारत दुनिया का सबसे बड़ा पान मसाला निर्यातक देश है। भारत का पान मसाला मध्य पूर्व, दक्षिण पूर्व और कुछ अफ्रीकी देशों में जाता है।

अगस्त के पहले दिन खुशखबरी, करीब 100 रुपये सस्ता हुआ कमर्शियल गैस सिलेंडर

नई दिल्ली, एजेंसी। मंगलवार 1 अगस्त को ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर के दामों को कम कर दिया है। तेल कंपनियों ने कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में आज 99.75 रुपये की कटौती की है। 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की दिल्ली खुदरा बिक्री कीमत आज से 1,680 रुपये है। आपको बता दें कि इससे पहले 4 जुलाई 2023 को कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 7 रुपये की बढ़ोतरी की गई थी। वहीं कोलकाता में कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत 1802.50 रुपये है, मुंबई में यह 1640.50 रुपये, चेन्नई में कमर्शियल सिलेंडर की कीमत 1852.50 रुपये है। यहां ध्यान देने वाली बात यह है कि कमर्शियल सिलेंडर का वजन 19 किलोग्राम होता है वहीं घरेलू गैस सिलेंडर का वजन 15 किलो से साढ़े 16 किलोग्राम तक होता है।

6.39 करोड़ से ज्यादा लोगों ने दाखिल किया आईटीआर, पिछले साल का टूटा रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। वित्त वर्ष 2022-23 में की गई कमाई के लिए सोमवार दोपहर चार बजे तक 6.39 करोड़ आयकर रिटर्न दाखिल हुए। आयकर विभाग ने बताया कि केवल सोमवार को ही 26.74 लाख लोगों ने अपना आईटीआर दाखिल किया है। वेतन भोगियों और ऐसी इकाईयों, जिनके खाते ऑडिट की आवश्यकता नहीं है, उनके लिए आईटीआर दाखिल करने की अंतिम तारीख 31 जुलाई है।

आयकर विभाग ने एक ट्वीट में बताया कि पिछले वर्ष 31 जुलाई तक 5.83 करोड़ आईटीआर दाखिल हुए थे। आयकर विभाग ने अपने आधिकारिक ट्विटर खाते पर यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कल 30 जुलाई 2023 तक 6.13 करोड़ आईटीआर दाखिल किए गए। आज 31 जुलाई शाम चार बजे तक 26.74 लाख और आईटीआर दाखिल किए गए।

हुंदै मोटर की बिक्री जुलाई में चार प्रतिशत बढ़कर 66,701 इकाई हो गई

नयी दिल्ली। हुंदै मोटर इंडिया ने मंगलवार को कहा कि जुलाई में उसकी थोक बिक्री सालाना आधार पर चार प्रतिशत बढ़कर 66,701 इकाई हो गई। वाहन विनिर्माता ने जुलाई 2022 में अपने डीलरों को 63,851 इकाइयां भेजी थीं। दक्षिण कोरियाई कंपनी ने एक बयान में कहा कि घरेलू बिक्री पिछले महीने मामूली बढ़कर 50,701 इकाई हो गई, जो एक साल पहले इसी अवधि में 50,500 इकाई थी।

एलआईसी म्यूचुअल फंड ने किया आईडीबीआई म्यूचुअल फंड का अधिग्रहण

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की एसेट मैनेजमेंट इंडस्ट्री के सबसे प्रतिष्ठित फंड हाउसों में से एक एलआईसी म्यूचुअल फंड है। सोमवार को एलआईसी म्यूचुअल फंड ने एक बड़ा ऐलान कर दिया है। एलआईसी एमएफ ने आईडीबीआई म्यूचुअल फंड को टेकओवर कर लिया है। कंपनी का मर्जर 29 जुलाई 2023 से प्रभावी है। एलआईसी ने एसेट अंडर मैनेजमेंट को बढ़ाने के लिए यह कदम उठाया है। चालू वित्त वर्ष की जून अंत तक में कंपनी का एयूएम 18,400 करोड़ रुपये था। वहीं आईडीबीआई म्यूचुअल फंड का एमएफ 3,650 करोड़ रुपये था। एलआईसी ने प्रोडक्ट की पेशकश को बढ़ाने के लिए और उसमें विविधता लाने के लिए यह फैसला लिया है। इसके अलावा देश में एक अग्रणी फंड हाउस के रूप में उभरने के लिए प्रबंधन के तहत अपनी संपत्ति (एयूएम) बढ़ाने के लक्ष्य को पूरा करने के लिए यह फैसला लिया गया है।

आईडीबीआई एमएफ के मर्जर पूरा होने के बाद आईडीबीआई एमएफ के 20 स्कीम में से 10 स्कीम को एलआईसी एमएफ की स्कीम के साथ विलय कर दिया जाएगा। बाकी के 10 स्कीम को एलआईसी एमएफ द्वारा स्टैंडअलोन के आधार पर लिया जाएगा। इसके बाद एलआईसी की कुल योजना संख्या 38,000 हो जाएगी।

आईडीबीआई एमएफ के मर्जर के बाद निवेशकों के बीच काफी असमंजस की स्थिति है। आपको बता दें कि जिन भी निवेशक ने आईडीबीआई एमएफ की स्कीम में निवेश किया है उन्हें इक्विटी, डेट, हाइब्रिड, सॉल्यूशन ओरिएंटेड थीम, ईटीएफ और इंडेक्स फंड को कवर करने वाले एलआईसी एमएफ के विविध प्रोडक्ट तक पहुंच मिलेगी।

यह विलय मिड-कैप, स्मॉल-कैप, गोल्ड फंड, पैसिव फंड सेगमेंट आदि में हमारी योजना की पेशकश को मजबूत करने के हमारे लक्ष्य को पूरा करता है। मर्जर से हमें बाजार में व्यापक उपस्थिति बनाने और प्रोडक्ट बास्केट की अधिक विस्तृत श्रृंखला पेश करने में मदद मिलेगी। इसी के साथ हमें एसेट मैनेजमेंट इंडस्ट्री में उभरते अवसरों का लाभ उठाने में भी मदद करेगी।

एलआईसी एमएफ भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) की एसेट मैनेजमेंट कंपनी है। इसके स्पोंसर और स्टेकहोल्डर एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, जीआईसी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया हैं।

रिलायंस के खाते में एक और कामयाबी, ऑस्ट्रेलियाई कंपनी ब्रुकफील्ड के साथ साइन किया बड़ा कॉन्ट्रैक्ट

नई दिल्ली, बिजनेस डेस्क- वैश्विक वैकल्पिक परिसंपत्ति प्रबंधक ब्रुकफील्ड एसेट मैनेजमेंट ने रिलायंस इंडस्ट्रीज के साथ एमओयू साइन किया है।

एमओयू का उद्देश्य ऑस्ट्रेलिया में नवीकरणीय ऊर्जा और डीकार्बोनाइजेशन उपकरण के निर्माण के अवसरों का पता लगाना, देश के ऊर्जा परिवर्तन को बढ़ावा देना और सतत विकास को बढ़ावा देना है। ब्रुकफील्ड और रिलायंस इंडस्ट्रीज के बीच ये एमओयू फोटोवोल्टिक मॉड्यूल, लंबी अवधि की बैटरी भंडारण और पवन ऊर्जा घटकों सहित स्वच्छ ऊर्जा उपकरणों के स्थानीय उत्पादन को सक्षम करके इस ट्रांजीशन को तेज करने और जोखिम को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। एमओयू की शर्तों के तहत, ब्रुकफील्ड और रिलायंस इंडस्ट्रीज ऑस्ट्रेलिया के भीतर नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में प्रत्यक्ष पूंजी निवेश और कौशल, ज्ञान और विशेषज्ञता के विकास पर सहयोग करेंगे। ये परिचालन नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के निर्माण के लिए आवश्यक उपकरणों के उत्पादन और

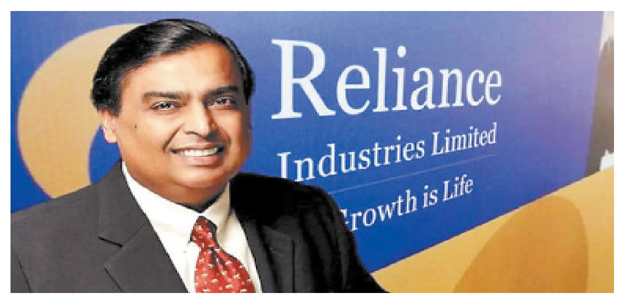

संयोजन पर ध्यान केंद्रित करेंगे, जो ओरिजिन एनर्जी मार्केट सहित सभी बाजार खिलाड़ियों की जरूरतों को पूरा करेंगे।

एमओयू का प्राथमिक उद्देश्य ऑस्ट्रेलिया में 14 गीगावॉट तक नई, बड़े पैमाने पर उत्पादन और भंडारण क्षमता विकसित करने के लिए आवश्यक स्वच्छ ऊर्जा उपकरणों की निरंतर और पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करना है। ब्रुकफील्ड एसेट मैनेजमेंट एक अग्रणी वैश्विक वैकल्पिक परिसंपत्ति प्रबंधक है, जिसके पास नवीकरणीय ऊर्जा, बुनियादी ढांचे, रियल एस्टेट, निजी इक्विटी, क्रेडिट और अन्य क्षेत्रों में प्रबंधन के तहत लगभग 825 बिलियन अमरीकी डालर की संपत्ति है। कंपनी लंबी अवधि के लिए ग्राहक पूंजी निवेश पर ध्यान केंद्रित कर रही है, जिसमें वास्तविक संपत्ति और आवश्यक सेवा व्यवसायों पर जोर दिया जाता है जो वैश्विक अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं।

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड भारत की सबसे बड़ी निजी क्षेत्र की कंपनी है, जिसका कंसोलिडेट रेवेन्यू 976,524 करोड़ रुपये (118.8 बिलियन अमेरिकी डॉलर) और 31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष के लिए नेट प्रॉफिट 74,088 करोड़ रुपये (9.0 बिलियन अमेरिकी डॉलर) है। कंपनी की विभिन्न गतिविधियां हाइड्रोकार्बन अन्वेषण और उत्पादन, पेट्रोलियम शोधन और विपणन, पेट्रोकेमिकल्स, उन्नत सामग्री और कंपोजिट, नवीकरणीय (सौर और हाइड्रोजन), खुदरा और डिजिटल सेवाओं तक फैली हुई हैं।

हरियाणा

हिंसा के बाद तनाव, 5 लोगों की मौत

नूंह में 2 दिन का कर्फ्यू, 6 जिलों में धारा 144, इंटरनेट बंद, यूपी-राजस्थान में भी अलर्ट

नूंह (एजेंसी)। हरियाणा के नूंह में विश्व हिंदू परिषद की ब्रज मंडल यात्रा के दौरान हिंसा और बवाल के बाद तनाव बना हुआ है। नूंह में दो दिन के लिए कर्फ्यू लगा दिया गया है। हालात पर काबू पाने के लिए पूरे इलाके में पैरामिलिट्री की 13 कंपनियां तैनात की गई हैं। अब यह हिंसा नूंह (मेवात) के बाद गुरुग्राम तक फैल गई है। जिसे देखते हुए इन दो जिलों के अलावा एहतियातन रेवाड़ी, पलवल, फरीदाबाद और सोनीपत समेत 6 जिलों में धारा 144 लागू कर दी गई है। नूंह में 2 अगस्त तक इंटरनेट बंद कर दिया है। नूंह, फरीदाबाद, गुरुग्राम और पलवल में मंगलवार यानी 1 अगस्त को सभी शिक्षण संस्थान और कोचिंग सेंटर बंद रहेंगे। बोर्ड की 10वीं और 12वीं की परीक्षा को नूंह में रद्द कर दिया गया है। यह परीक्षाएं 1 और 2 अगस्त को होनी थीं। हिंसा के मद्देनजर सीएम मनोहर लाल खट्टर ने गृहमंत्री अनिल विज के अलावा चीफ सेक्रेटरी, डीजीपी समेत दूसरे बड़े प्रशासनिक अधिकारियों की हाई लेवल मीटिंग बुला ली है। दरअसल, नूंह में सोमवार को विश्व हिंदू परिषद की ब्रज मंडल यात्रा पर समुदाय विशेष के लोगों ने पथराव कर दिया। इससे हिंसा भड़क गई। दोनों पक्षों में पत्थरबाजी और फायरिंग हुई। इस दौरान गुड़गांव के होमगार्ड नीरज और गुरसेवक समेत अब तक 5 लोगों की मौत हो गई है। 50 से ज्यादा पुलिस अधिकारी, कर्मचारी और अन्य घायल हैं। हरियाणा की हिंसा का असर पड़ोसी राज्यों पर भी पड़ा है। राजस्थान के भरतपुर में अलर्ट जारी किया गया है।

नूंह हिंसा की आग गुरुग्राम तक पहुंची

100 लोगों की भीड़ ने धार्मिक स्थल को निशाना बनाया, एक की मौत

गुरुग्राम (एजेंसी)। मेवात के नूंह में भड़की हिंसा की आग गुरुग्राम तक पहुंच गई है। 31 जुलाई की देर रात गुरुग्राम सेक्टर 56- 57 इलाके में करीब 100 लोगों की भीड़ ने अंडर कंस्ट्रक्शन धार्मिक स्थल में तोड़-फोड़ कर आग लगा दी। इस हिंसा में धार्मिक स्थल में मौजूद एक शख्स की मौत हो गई,

जबकि एक घायल हो गया। पुलिस की एफआईआर के मुताबिक मरने वाले शख्स का नाम मोहम्मद साद था और वो बिहार का रहने वाला है। एफआईआर के मुताबिक रात 12.15 बजे गुरुग्राम सेक्टर-57 में बूम प्लाजा की तरफ से 100-120 लोगों की भीड़ धार्मिक नारे लगाते हुए आई। भीड़ ने सबसे पहले मौके पर मौजूद पुलिस पार्टी पर पथराव किया। इसके बाद पास ही धार्मिक स्थल में आग लगा दी। भीड़ में शामिल लोगों ने धार्मिक स्थल में घुसकर फायरिंग भी की। इस दौरान अंदर मौजूद साद की मौत हो गई, जबकि खुर्शीद आलम नाम का एक शख्स पैर में गोली लगने से घायल हो गया। मौके पर मौजूद हरियाणा पुलिस के अफसर संदीप ने मामले की एफआईआर दर्ज कराई है। इस केस में हमला करने वालों की पहचान कर ली गई है।

मधुसूदन मिस्त्री ओर सेंथिल राजस्थान चुनाव के लिए पर्यवेक्षक बनाए गए

जयपुर, एजेंसी।

राजस्थान चुनाव के लिए कांग्रेस ने वरिष्ठ नेता मधुसूदन मिस्त्री को वरिष्ठ पर्यवेक्षक बनाया है जबकि शशिकांत सेंथिल को पर्यवेक्षक बनाया गया है। मधुसूदन के सामने सबसे बड़ी चुनौती चुनाव में पायलट गुट को साधने की रहेगी। क्योंकि सचिन पायलट अपने समर्थक विधायकों को टिकट दिलाने की पैरवी कर सकते हैं। जबकि पार्टी ने इस बार केवल जिताऊ उम्मीदवारों को टिकट देने का निर्णय लिया है। बड़े स्तर पर कांग्रेस विधायकों के टिकट कट सकते हैं। ऐसे में बागियों को मनाना बड़ी चुनौती रहेगी। हालांकि, सचिन पायलट फिलहाल शांत है। जबसे कांग्रेस आलाकमान से सुलह हुई है। जब से सचिन पायलट और उनके समर्थक विधायक बयाबाजी करने से बच रहे हैं।

बता दें कि मधुसूदन मिस्त्री ने कांग्रेस पार्टी के कांग्रेस इलेक्शन अर्थोरिटी के चेयरमैन के तौर पर कांग्रेस पार्टी के चुनाव संपन्न करवाए थे। शशिकांत सेंथिल ने 2019 में तमिलनाडु कैडर से आईएएस पद

छोड़कर कांग्रेस ज्वाइन की थी और कर्नाटक चुनाव में कांग्रेस वार रूम को संभाला था। ऐसे में यह माना जा रहा है कि कर्नाटक चुनाव का असर राजस्थान पर साफ तौर पर दिखाई देगा। जिन नेताओं ने कर्नाटक चुनाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, उन्हीं को राजस्थान में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी देकर सीनियर आब्जर्वर बनाया है।

राजस्थान की सभी 25 लोकसभा सीटों पर लगाए पर्यवेक्षक लगाए गए है। ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी की ओर से राजस्थान की सभी 25 लोकसभा सीटों पर पर्यवेक्षक भी लगा दिए गए हैं। अजमेर लोकसभा के लिए अमित चावड़ा, अलवर के लिए हिम्मत सिंह पटेल, बांसवाड़ा के लिए अनंत पटेल, बाड़मेर के लिए बलदेव ठाकुर, भरतपुर के लिए गीता भुकाल, बीकानेर के लिए शैलेश परमार, भीलवाड़ा के लिए नीरज शर्मा, चित्तौड़गढ़ के लिए प्रताप भाई, चूरू के लिए राजपाल खरोला, दौसा के लिए किशन पटेल को पर्यवेक्षक बनाया गया है। इसी तरह गंगानगर के लिए नौशाद सोलंकी, जयपुर के लिए मोना तिवारी, जयपुर ग्रामीण के लिए राव दान सिंह, जालोर के लिए रघु देसाई, झालावाड़-बारां के लिए गेनीबेन, झुंझुनू के लिए अमृत ठाकुर, जोधपुर के लिए सी जे चावड़ा, करौली-धौलपुर के लिए शकुंतला, कोटा के लिए इंद्र विजय गोहिल, नागौर के लिए अमित सिहाग को लगाया गया है।

हिमाचल हाईकोर्ट को मिले तीन नवनियुक्त न्यायाधीश, राज्यपाल ने दिलाई शपथ

शिमला, एजेंसी।

राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला ने सोमवार को एक समारोह में हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के नवनियुक्त न्यायाधीश रंजन शर्मा, बिपिन चंद्र नेगी और राकेश कैंथला को पद की शपथ दिलाई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री सुखविन्दर सिंह सुक्खू और मुख्य न्यायाधीश ममीदन्ना सत्य रत्न श्री रामचन्द्र राव भी उपस्थित थे। मुख्य सचिव प्रबोध सक्सेना ने शपथ समारोह की कार्यवाही का संचालन किया और तीन न्यायाधीशों की नियुक्ति के संबंध में राष्ट्रपति द्वारा जारी नियुक्ति पत्र को पढ़ा। राज्यपाल के सचिव राजेश शर्मा ने शपथ पत्र पर राज्यपाल एवं नवनियुक्त न्यायाधीशों के हस्ताक्षर लिए।

जस्टिस रंजन शर्मा का जन्म 21 अगस्त 1968 को हुआ था और वह धर्मशाला के रहने वाले हैं। उन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा सरकारी स्कूल धर्मशाला से की। उन्हें रोहतक विश्वविद्यालय से एलएलबी में स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। उन्हें दिसंबर 1991 में एक वकील के रूप में नामांकित किया गया था और मार्च 2019 में वरिष्ठ वकील के रूप में नामित किया गया था। पूर्व मुख्य सचिव के बेटे जस्टिस बिपिन चंद्र नेगी किन्नौर जिले से हैं। उनका जन्म धर्मशाला में हुआ था और उन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा सेंट एडवर्ड स्कूल, शिमला और दिल्ली पब्लिक स्कूल, आरके पुरम, नई दिल्ली से की। उन्होंने श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स, दिल्ली विश्वविद्यालय से बी.ए अर्थशास्त्र (ऑनर्स) और एलएलबी एचपी विश्वविद्यालय शिमला से की। उन्हें 1994 में एक वकील के रूप में नामांकित किया गया था और 2015 में वरिष्ठ वकील के रूप में नामित किया गया। न्यायमूर्ति नेगी ने कानून के विभिन्न क्षेत्रों में अभ्यास किया है।

जस्टिस राकेश कैंथला का जन्म 23 मई 1968 को शिमला में हुआ था। उन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा डीएवी स्कूल, लक्कड़ बाजार, शिमला से की। गवर्नमेंट कॉलेज संजौली, शिमला से स्नातक की उपाधि प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने एचपी विवि से एलएलबी की। वह 1991 में एक वकील के रूप में नामांकित हुए और कानून के विभिन्न क्षेत्रों में अभ्यास किया।

रणवीर सिंह संग दीपिका के रिश्ते पर एक्ट्रेस की मां ने यूं किया था रिएक्ट

एक्टर बोले- उनके पल्ले कुछ नहीं पड़ा

रणवीर सिंह इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी को लेकर चर्चा में बने हुए है। फिल्म को रिलीज हुए अभी कुछ दिन ही हुए है और RARKPK ने बॉक्स ऑफिस ठीक-ठाक कमाई भी कर ली है। हालांकि, हिट साबित होने के लिए अभी फिल्म को बिजनेस बढ़ाने के लिए और मेहनत करनी पड़ेगी। रॉकी और रानी की प्रेम कहानी के एक्टर्स रणवीर सिंह और आलिया भट्ट भी फिल्म के प्रमोशन में कोई कमी नहीं छोड़ रहे हैं।

हाल ही में एक्टर प्रमोशन के दौरान अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर एक

दिलचस्प किस्सा शेयर किया। रणवीर सिंह ने अपने और दीपिका पादुकोण के रिलेशनशिप को लेकर एक्ट्रेस के परिवार के रिएक्शन के बारे में बताया।

एक्टर ने कहा कि जब उन्हें दोनों के रिश्ते के बारे में पता चला तो उनके पल्ले कुछ नहीं पड़ा, खासकर उनकी सास के। रणवीर ने आगे बताया कि जब उन्होंने दीपिका के परिवार के साथ समय बिताना शुरू किया तो उन्होंने एक-दूसरे को समझने लगे और अब तो सुसराल वाले एक्टर के फेवरेट बन गए है। रणवीर सिंह ने दीपिका संग रिश्ते पर ससुराल वालों के रिएक्शन पर बात करते हुए कहा, ''उनके पल्ले कुछ नहीं पड़ा, खासकर के मेरी सास के।'' अपनी सास के बार में बात करते हुए उन्होंने आगे कहा, ''जब हमने साथ में समय बिताया और एक-दूसरे को जानने लगे तो उन्हें समझ आया कि मैं चाहे जैसा भी हूं, लेकिन दिल का साफ हूं और एक अच्छा लड़का हूं। अब वो मेरे फेवरेट लोगों में से एक हैं और निश्चित रूप से मैं उनके पसंदीदा लोगों में से एक हूं।''

अदा शर्मा की अचानक बिगड़ी तबीयत, अस्पताल में भर्ती हुई एक्ट्रेस

बॉलीवुड अभिनेत्री अदा शर्मा के फैंस के लिए एक बुरी खबर सामने आ रही हैं। दरअसल, एक्ट्रेस की अचानक तबीयत खराब हो गई और उन्होंने अस्पताल में भर्ती करवाया गया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक्ट्रेस की तबीयत फूड एलर्जी और गंभीर डायरिया की वजह से अचानक बिगड़ गई है। मंगलवार रात एक्ट्रेस की तबीयत खबार हुई थी, जिसके बाद अदा को आनन-फानन में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हालांकि इस खबर पर अभी एक्ट्रेस या उनकी टीम से कोई बयान नहीं आया है।

'कॉमेडी का मतलब बदलाव है', अर्चना पूरन सिंह ने कपिल द्वारा उनका मजाक उड़ाए जाने का किया बचाव

बॉलीवुड की कई फिल्मों में अपना जलवा बिखेरने के बाद अर्चना पूरन सिंह इन दिनों 'द कपिल शर्मा शो' में नजर आ रही हैं। शो पर अपनी हंसी से सभी को लोटपोट कर देने वाली अर्चना पूरन सिंह हाल ही में, कपिल शर्मा का बचाव करती नजर आईं। कपिल के लिए उन्होंने कहा कि वह एक कॉमेडी शो का हिस्सा हैं और कॉमेडी का मतलब ही यही होता है कि आपको हंसाने के लिए अच्छे जोक्स क्रैक करना।

अभिनेत्री अर्चना पूरन सिंह बॉलीवुड में अपने काम के लिए जानी जाती हैं, लेकिन हाल ही में, 'द कपिल शर्मा शो' में जज के रूप में उनके प्रदर्शन को दर्शकों ने पसंद किया है। अभिनेत्री का शो के होस्ट कपिल शर्मा के साथ प्यार-नफरत से भरा काफी मजेदार रिश्ता है। अर्चना का कहना है कि कपिल के जोक्स से उन्हें कोई आपत्ति नहीं है क्योंकि वह जानती हैं कि वह एक कॉमेडी शो का हिस्सा हैं।

हाल ही में, सोशल मीडिया पर एक ट्रोल ने अर्चना की शक्ल-सूरत पर तंज कसते हुए उनकी एक पोस्ट पर गंदा मैसेज किया था। अभिनेत्री ने इसका करारा जवाब भी दिया था। हाल ही में, एक इंटरव्यू में जब उनसे पूछा गया कि क्या वह कपिल के जोक्स और ट्रोलिंग को बढ़ावा देती हैं तो इसपर अभिनेत्री ने पूरी तरह से इंकार कर दिया। अर्चना ने जवाब देते हुए कहा, 'कॉमेडी का मतलब बदलाव है और लोगों को हंसाने के लिए कॉमेडियन को काफी अलग तरह से सोचना पड़ता है। हम 'द कपिल शर्मा शो' में खुलेआम खुलासा कर रहे हैं कि यह एक कॉमेडी प्लेटफॉर्म है और यहां किसी भी चीज को गंभीरता से नहीं लिया जाना चाहिए। दुनिया का सबसे मुश्किल काम है किसी को हंसाना और हम वही कर भी रहे हैं।'

श्रद्धा कपूर को फैन ने घुटनों पर बैठकर किया प्रपोज, यूजर्स बोले- 'इसके बाप को जानते हो या....'

बॉलीवुड एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर अपनी मासूमियत और फिटनेस के लिए जानी जाती हैं. उनकी क्यूटनेस फैंस को दीवाना बना देती है. श्रद्धा जहां भी जाती हैं अपने फैंस से जरुर मिलती हैं. हाल ही में श्रद्धा एयरपोर्ट पर स्पॉट हुईं और उन्हें देखकर एक फैन ने उन्हें प्रपोज कर डाला. श्रद्धा से मिलने उनका ये फैन फूलों को गुलदस्ता लिए एयरपोर्ट पर आया था. श्रद्धा का ये वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है लोग इस वीडियो पर ढेर सारे कमेंट कर रहे हैं. श्रद्धा कपूर एयरपोर्ट पर व्हाइट शॉर्ट और व्हाइट कलर का ही फुल स्लीव्स टॉप पहने नजर आईं.

इस लुक को उन्होंने स्नीकर के साथ कंप्लीट किया था. एयरपोर्ट पर ही आकर एक फैन ने श्रद्धा को प्रपोज कर दिया. वीडियो में दिखाया गया है कि जैसे ही श्रद्धा अपनी कार से उतरती हैं तो उनका फैन गुलाब क गुलदस्ता लिए आ जाता है. वह उन्हें घुटनों पर बैठकर प्रपोज करता है. श्रद्धा भी अपने फैन का दिल रखती हैं और उसके साथ हाथ मिलाकर पैपराजी के सामने अपने सुपरफैन के साथ फोटोज क्लिक करवाती हैं. एक यूजर ने लिखा- अरे ये लप्पू झिंगू सा लड़का सचिन कहां से आ गया. वहीं दूसरे ने लिखा-श्रद्धा कितनी हंबल और फिट हैं. वहीं एक ने लिखा- मेरी हाफ गर्लफ्रेंड बन जाओ. एक ने लिखा- स्कूल जाओ भाई पढ़ाई करो, इतनी छोटी उम्र में सेलिब्रिटीज को पटा रहा है.

मालिक , मुद्रक,प्रकाशक ,संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिंटिंग प्रेस , गाला नं 3 - 4 ,अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट ,सोनावला क्रॉस रोड नं 12 ,गोरगांव (पूर्व),मुंबई 63 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : 1 -ए, ग्राउंड फ्लोर साहिल मेंशन, बालमिया लेन, माहिम वेस्ट मुंबई 400016 मोबाइल नं 9987 77 5650 व्हाट्सप्प नं 7977 40 8589 : Email - editor@rokthoklekhaninews.com .